हिन्दी-विभाग
मुक्तशिक्षा विद्यालय
एम.ए. (हिन्दी), सेमेस्टर-II(2019-2020)

समय	9:00am To 10:50am	11:45am To 01:35pm	2:30pm To 4:20pm
क्रम स0.	प्रश्नपत्र -201 : रीतिकालीनहिन्दीकाव्य	प्रश्नपत्र -202 : आधुनिकहिन्दीकाव्य–1	प्रश्नपत्र - 204 : सामान्य भाषाविज्ञान
1.	मतिराम का आचार्यत्त्व, (अंलकार निरूपण)	साकेत का महाकाव्यत्त्व, साकेतमेंमौलिकउद्भावनाएँ	भाषाऔरभाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाव्यवस्था
2.	मतिराम:काव्य-कला	उर्मिला का विरहवर्णन, नवम् सर्ग का काव्य–वैभव	भाषाऔरसंप्रेषण, मानवेतरसंप्रेषणतथामानव–संप्रेषण
3.	मतिराम : व्याख्या	साकेत : व्याख्या	भाषाविज्ञान की अध्ययन पद्धतियाँ
4.	बिहारी : अनुभाव-विधान, ध्वनि-विधान	कामायनी का महाकाव्यत्त्व, कामायनी कीप्रासांगिकता	स्वनविज्ञानऔरस्वनिमविज्ञान, स्वनों की वर्गीकरण
5.	बिहारी : समाज-चेतना	कामायनीमें रूपकतत्त्व, कामायनी की दार्शनिकता	स्वन-परिवर्तन के कारण, स्वनिम के भेद : खंडीय एवं खंडेत्तर,
6.	बिहारी : व्याख्या	कामायनी : व्याख्या	स्वन, स्वनिमऔरसहस्वन, स्वनिमऔरसहस्वन का निर्धारण
7.	घनानंदऔरस्वच्छन्दकाव्य धारा, प्रेम-निरुपण	निराला की सौन्दर्य-चेतना,काव्य-शिल्प	रूपविज्ञानऔर रूपिम विज्ञान, रूप, रूपिम औरसहरूप
8.	घनानंद कीभाषा, सुजानहित का प्रतिपाद्य	राम की शक्तिपूजा की संरचना, राम की शक्तिपूजामें द्वन्द्वात्मकता	रूपिमविज्ञान, शब्दऔर पद
9.	घनानंद: व्याख्या	राम की शक्तिपूजा : व्याख्या	अर्थतत्त्व एवंसंबंध तत्त्व, संबंधतत्त्व के प्रकार
10.	चण्डीचरित्र : परिप्रेक्ष्य एवंप्रतिपाद्य	मुक्तिबोध की काव्य -चेतना, अंधेरेमेंफैंटेसी-शिल्प	वाक्य रचना के आधार, वाक्य के प्रकार
11.	चण्डीचरित्र : काव्य रूप, भाषा–शिल्प	अंधेरेमें: संवेदना, लम्बीकविताओं का शिल्प	निकटस्थअव्यव, प्रोक्ति का स्वरूप व विश्लेषण
12.	चण्डीचरित्र : व्याख्या	अंधेरेमें : व्याख्या	शब्दऔरअर्थ का संबंध, अर्थप्रतीति के साधन, अर्थ-परिवर्तन के कारण
	प्रश्नपत्र - 203 : हिन्दीनाटक	प्रश्नपत्र - 203 : हिन्दीनाटक	प्रश्नपत्र - 203 : हिन्दीनाटक
13.	नाटकरंगमंच का अन्त : संबंध : नाट्यालोचन के प्रतिमान	चन्द्रगुप्त : भारतीय पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत, मूलसंवेदना	अंधायुग : मूलसंवेदना, नाट्यरूप
14.	अंधेरनगरी : भारतेंदु कीनाट्य दृष्टि, मूल-संवेदना	चन्द्रगुप्तमेंराष्ट्रीयता, रंगमंचीयता	अंधायुग : रंगमंचीयता, नाट्यभाषा
15.	अंधेरनगरी : रंगमंचीयतातथाव्याख्या	चंन्द्रगुप्त : व्याख्या	अंधायुग : मिथकीय अभिव्यक्ति, अंधायुग :व्याख्या
16.	आधे–अधूरे : मूल-संवेदना, युग-यथार्थ	आधे–अधूरे : नाट्य-भाषा, रंगमंचीयता	आधे–अधूरे : पात्र-परिकल्पना, व्याख्या